कल खुलने जा रहे कई कंपनियों के आईपीओ

लोकस्वर मीडिया नेटवर्क
lokswar.in

नई दिल्ली। अगर आप आईपीओ में निवेश करना पसंद करते हैं तो आपके लिए अच्छा मौका है। शेयर बाजार में 22 नवंबर को एक कंपनी का आईपीओ खुलने जा रहा है। यह आईपीओ फ्लेयर राइटिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड का है। कंपनी का आईपीओ 22 नवंबर को पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसकी क्लोजिंग डेट 24 नवंबर होगी। एंकर इन्वेस्टर्स के लिए आवंटन मंगलवार 21 नवंबर को किया जाएगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 288 से 304 प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। शेयर की फ़ेस वैल्यू पांच रुपये है। आईपीओ के तहत 292 करोड़ रुपये के फ्रेश इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, कंपनी के प्रमोटरों और प्रमोटर ग्रुप एंटिटी द्वारा 301 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल के तहत की जाएगी। वर्तमान में, प्रमोटरों और प्रमोटर ग्रुप एंटिटी के पास कंपनी की 100% हिस्सेदारी है बता दें कि फ्लेयर आईपीओ के एक लॉट में 49 इक्विटी शेयरों शामिल होंगे। निवेशक उसके बाद 49 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल्स में बिडिंग कर सकेंगे। शेयरों के आवंटन के लिए फ्लेयर राइटिंग आईपीओ के आधार को गुरुवार, 30 नवंबर को अंतिम रूप दिया जाएगा और कंपनी शुक्रवार, 1 दिसंबर को रिफंड शुरू करेगी। शेयर सोमवार, 4 दिसंबर को निवेशकों के डीमैट एकाउंट्स में क्रेडिट किए जाएंगे। फ्लेयर राइटिंग आईपीओ शेयर मंगलवार, 5 दिसंबर को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने की संभावना है। अगर कंपनी टी+3 स्टैंडर्ड पर स्विच करती है तारीखें प्रीपोन हो सकती हैं। बता दें कि पेन बनाने वाली यह कंपनी 45 साल से ज्यादा पुराने फ्लैगशिप ब्रांड फ्लेयर की मालिक है। यह इस साल मार्च में करीब 8 प्रतिशत से ज्यादा बाजार हिस्सेदारी के साथ ओवरऑल राइटिंग इंस्ट्रूमेंट इंडस्ट्री में टॉप तीन प्लेयर्स में से एक है। आईपीओ से जुटाई गई धनराशि का इस्तेमाल कंपनी गुजरात के वलसाड जिले में राटिंग इंस्ट्रूमेंट्स के लिए मैन्युफैक्चिरिंग फैसिलिटी स्थापित करने के लिए करेगी।

टाटा टेक के आईपीएओ से पहले 2 दिन में 37% उछल गया टाटा का यह शेयर

टाटा ग्रुप की कंपनियों में से एक टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन का शेयर सोमवार को शुरुआती कारोबार में 14% तक उछल गया। यह शेयर बढ़कर बीएसई पर 4,444.05 रुपये के ताजा 52-सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंच गया। पिछले दो कारोबारी सत्रों में इस स्टॉक में 36.6% का इजाफा हुआ है। साल 2023 में टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन के शेयर में शानदार उछाल आया है। इस शेयर ने निवेशकों के पैसे को एक साल में दोगुना कर दिया है। टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन के शेयर में यह बड़ी तेजी टाटा टेक्नोलॉजी के आईपीओ से ठीक पहले आई है। टाटा मोटर्स अपनी सब्सिडियरी टाटा टेक्नोलॉजीज का 3,000 करोड़ रुपये का आईपीओ ला रही है। यह आईपीओ 22 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। टाटा संस के स्वामित्व वाली टाटा इन्वेस्टमेंट एक प्रमोटर ग्रुप होल्डिंग कंपनी के रूप में कई ग्रुप कंपनियों में हिस्सेदारी रखती है। टाटा मोटर्स के मामले में, टीआईसी के पास सिर्फ 0.33% हिस्सेदारी है। जबकि टाटा संस के पास 43.71% हिस्सेदारी है। पिछले 20 वर्षों में पहली बार टाटा ग्रुप की किसी कंपनी का आईपीओ लॉन्च हो रहा है। टाटा टेक्नोलॉजी के आईपीओ में प्राइस बैंड 475-500 रुपये प्रति शेयर है। यह आईपीओ 100% ऑफर फॉर सेल है। इस आईपीओ में टाटा मोटर्स 4.62 करोड़ शेयर बेचेगी। अल्फा टीसी होल्डिंग्स 97.1 लाख शेयर बेचेगी और टाटा कैपिटल ग्रोथ फंड 48 लाख शेयर बिक्री के लिए रखेगी। वित्त वर्ष 2016 से 2023 के दौरान टाटा टेक का विकास पथ सेक्टर की दूसरी कंपनियों की तुलना में धीमा बना हुआ है। लेकिन चुनिंदा अकाउंट्स में ट्रैक्शन के कारण पिछले तीन वर्षों में सुधार हुआ है। अगर ग्रे मार्केट के रुझानों पर विश्वास किया जाए तो टाटा टेक आईपीओ स्टॉक एक्सचेंजों पर लगभग 65-70% के प्रीमियम पर लिस्ट हो सकता है।

निवेश करके आप कर सकते हैं अच्छी कमाई

इनमें निवेश करके आप अच्छी कमाई कर सकते हैं। इन इश्यू में एक एसएमई सेगमेंट का है, जहां निवेश के लिए आपको करीब एक लाख रुपये या उससे ज्यादा की एप्लीकेशन देनी होगी। वहीं बाकी के 5 आईपीओ बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। यहां हम आपको इन आईपीओ की पूरी जानकारी देने जा रहे हैं। हालांकि आप बाजार में किसी भी स्टॉक में निवेश करने से पहले एक बार अपने वित्तीय सलाहाकार से बात जरूर कर लें। ऐसा नहीं करने पर आपको आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ सकता है। बाजार में बिना जानकारी के निवेश न करें। आईए देखते हैं इस सप्ताह कौन-कौन से आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की रिन्यूएबल एनर्जी से जुड़ी फाइनेंस कंपनी आईआरईडीए का आईपीओ अगले हफ्ते पूंजी जुटाने के लिए बाजार में दस्तक देने जा रहा है। आईपीओ 21 नवंबर 2023 को खुलेगा और निवेशक 23 नवंबर तक आईपीओ में आवेदन कर सकते हैं। यह शेयर 4 दिसंबर को बाजार में लिस्ट हो सकता है। इश्यू के लिए प्राइज बैंड 30 से 32 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। वहीं इश्यू के लिए लॉट साइज 460 का है। इसमें 40.3 करोड़ शेयर्स फ्रेश इश्यू वाले जारी किए जाएंगे। वहीं 26.8 करोड़ शेयर्स ऑफर फॉर सेल के तहत जारी किया जाएगा। सरकारी क्षेत्र की कंपनी एलआईसी के मई 2022 में आईपीओ के बाद ये आईआरईडीए पहली कंपनी है, जिसका सरकार आईपीओ लेकर आ रही है। टाटा ग्रुप करीब 20 साल में पहली बार अपनी किसी कंपनी के शेयर बेचने जा रही है। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज (ट्टथप्थ क्क्रधफ्र) का आईपीओ इस हफ्ते 22 नवंबर को खुलने जा रहा है। इश्यू 24 नवंबर तक खुला रहेगा। इश्यू के लिए प्राइस बैंड 475 से 500 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। लॉट साइज 30 शेयरों का है। स्टॉक की लिस्टिंग 5 दिसंबर को हो सकती है। गांधार ऑयल रिफायनरी का इश्यू 22 नवंबर से 24 नवंबर के बीच खुलेगा। शेयर 5 दिसंबर को बाजार में लिस्ट हो सकता है। एप्लीकेश का लॉट साइज 88 है। निवेशक कम से कम 14872 रुपये की एप्लीकेशन दे सकते हैं। इश्यू प्राइस 160 से 169 रखा गया है। रॉकिंग डील्स सर्कुलर इकोनॉमी का आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए 22 नवंबर को ओपन होगा। कंपनी ने आईपीओ की क्लोजिंग डेट 24 नवंबर तय की है, जबकि प्राइसबैंड 136 - 140 रुपये तय किया गया है। शेयरों की फ़ेस वैल्यू 10 रुपये प्रति शेयर है। रॉकिंग डील्स सर्कुलर इकोनॉमी लिमिटेड स्?थापना 2005 में हुई थी। फीडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज का इश्यू 22 नवंबर से 24 नवंबर के बीच खुलेगा। इश्यू का प्राइस बैंड 133 से 144 रखा गया है। लॉट साइज 107 शेयर है यानि कम से कम 14980 रुपये की बोली लगाई जा सकती है।

अनिल अंबानी की कंपनी से सरकार को भारी चपत

लोकस्वर मीडिया नेटवर्क
lokswar.in

नई दिल्ली। भारी कर्ज में डूबे अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कैपिटल की बिक्री का रास्ता साफ हो गया है। आरबीआई ने रिलायंस कैपिटल के लिए हिंदुजा ग्रुप की कंपनी इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड के रिजॉल्यूशन प्लान को भी मंजूरी दे दी है। साथ ही केंद्रीय बैंक ने हिंदुजा ग्रुप के पांच प्रतिनिधियों को रिलायंस कैपिटल के बोर्ड में बतौर डायरेक्टर शामिल करने की योजना पर अपनी मुहर लगा दी है। इसके साथ ही कभी अनिल अंबानी के लिए दुधारू गाय रही इस कंपनी के बिकने का रास्ता भी साफ हो गया है। हिंदुजा ग्रुप ने अप्रैल में दूसरे दौर की नीलामी में रिलायंस कैपिटल को खरीदने के लिए 9,650 करोड़ रुपये की सबसे बड़ी बोली लगाई थी। हिंदूजा के ऑफर और रिलायंस के कैश बेलेंस को देखते हुए करीब 10,000 करोड़ रुपये की रिकवरी होने की उम्मीद है। यानी कंपनी को कर्ज देने वाले बैंकों को भारी चपत लगना तय है। इनमें एलआईसी और ईपीएफओ भी शामिल हैं। नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी होने के साथ-साथ रिलायंस कैपिटल अनिल अंबानी के फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनस के लिए होल्डिंग कंपनी भी थी। रिलायंस कैपिटल में करीब 20 फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनियां हैं। इनमें सिक्योरिटीज ब्रोकिंग, इंश्योरेंस और एक एआरसी शामिल है। आरबीआई ने रिलायंस कैपिटल के बोर्ड को 30 नवंबर 2021 को भंग कर दिया था और इसके खिलाफ इनसॉल्वेंसी प्रॉसीडिंग शुरू की थी। केंद्रीय बैंक ने नागेश्वर राव वाई को इसका एडमिनिस्ट्रेटर बनाया था। पहले राउंड में टॉरेंट इनवेस्टमेंट्स ने रिलायंस कैपिटल के लिए 8,640 करोड़ रुपये की सबसे बड़ी बोली लगाई थी। दूसरे दौर में हिंदुजा ग्रुप ने सबसे बड़ी बोली लगाई थी। लेकिन टॉरेंट ने इसे चुनौती दी थी। अभी यह मामला सुप्रीम कोर्ट में है और इस कारण एनसीएलटी ने आईआईएचएल के रिजॉल्शन प्लान को मंजूरी नहीं दी है। सुप्रीम कोर्ट में अगले हफ्ते इस मामले की सुनवाई होनी है। लेकिन रिलायंस कैपिटल को कर्ज देने वाले बैंकों को भारी चपत लगना तय है। उन्हें अपने कर्ज का केवल 43 फीसदी ही मिल सकता है। हिंदूजा ग्रुप ने कंपनी के लिए 9,650 करोड़ रुपये की बोली लगाई है। साथ ही कंपनी के पास करीब 400 करोड़ रुपये का कैश बैलेंस है। हिंदूजा के ऑफर और कंपनी के कैश बेलेंस को देखते हुए केवल 10,050 करोड़ रुपये की रिकवरी होने की उम्मीद है। सितंबर, 2021 में रिलायंस कैपिटल ने अपने शेयरहोल्डर्स को बताया था कि कंपनी पर 40,000 करोड़ रुपये से अधिक कर्ज है। एडमिनिस्ट्रेटर ने फाइनेंशियल क्रेडिटर्स के 23,666 करोड़ रुपये के दावों को वेरिफाई किया है। इस तरह लेंडर्स को उनके कुल कर्ज का केवल 43 फीसदी हिस्सा ही मिल पाएगा। रिलायंस कैपिटल पर एलआईसी का करीब 3,400 करोड़ रुपये का कर्ज है। इसी तरह ईपीएफओ ने रिलायंस कैपिटल के बॉन्ड प्रोग्राम में 2,500 करोड़ रुपये निवेश किए थे। इस तरह एलआईसी को करीब 1,460 करोड़ रुपये और करीब 1,075 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है।

अनिल अंबानी की नेटवर्थ जीरो

अनिल अंबानी का किसी जमाने में इतना रुतबा था कि देश के शीर्ष राजनेताओं और जानी मानी हस्तियों के साथ नजर आते थे। फोर्ब्स इंडिया की 2007 में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार अनिल अंबानी की नेटवर्थ 45 बिलियन अरब डॉलर थी और उस समय वह देश के तीसरे सबसे बड़े रईस थे। 2007-08 में जब उनके बड़े भाई मुकेश अंबानी ने अपनी पत्नी नीता को 250 करोड़ रुपये का कॉरपोरेट जेट गिफ्ट किया तो अनिल ने अपनी पत्नी टीना को 400 करोड़ रुपये की सुपर लक्जरी याट खरीदकर दी। लेकिन किस्मत ने ऐसा पलटा खाया कि आज अनिल अंबानी के नेटवर्थ जीरो है। उनकी कंपनियों में निवेश करने वाले आज बदहाल हैं।

मार्केट खुलते ही छोटे शेयरों में लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। भारतीय बेंचमार्क इंडेक्स आज हरे रंग में कारोबार करते दिखे। जिसमें बीएसई इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लिमिटेड इंडेक्स टॉप-गेनिंग सेक्टोरल इंडेक्स था। जबकि बीएसई कैपिटल गुड्स इंडेक्स टॉप-लूजर था। बीएसई सेंसेक्स लगभग 14 अंक या 0.02% बढ़कर 65,811 पर और एनएसई निफ्टी-50 इंडेक्स लगभग 15 अंक या 0.07% बढ़कर 19,746 पर कारोबार करता दिखा। बीएसई पर लगभग 2,086 शेयरों में तेजी आई, 1,414 में गिरावट आई और 185 अपरिवर्तित रहे। बाजार में आज एचसीएल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड और टेक महिंद्रा लिमिटेड शीर्ष सेंसेक्स गेनर थे। वहीं, अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, बजाज फाइनेंस लिमिटेड और महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड शीर्ष सेंसेक्स लूजर थे। ब्रॉडर मार्केट इंडेक्सेज में तेजी रही। जिसमें बीएसई मिड-कैप इंडेक्स 0.35% और बीएसई स्मॉल-कैप इंडेक्स 0.65% बढ़ा। टॉप मिड-कैप गेनर में सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड और प्रॉक्टर एंड गैंबल हाइजीन एंड हेल्थ केयर लिमिटेड हैं। जबकि टॉप स्मॉल-कैप गेनर में प्रताप स्नैक्स लिमिटेड और टैलब्रॉस ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स लिमिटेड हैं। 20 नवंबर, 2023 तक, बीएसई-सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण लगभग 328 लाख करोड़ रुपये है। साथ ही 335 शेयरों ने 52-सप्ताह के उच्च स्तर और 21 शेयरों ने 52-सप्ताह के निचले स्तर को छुआ है।

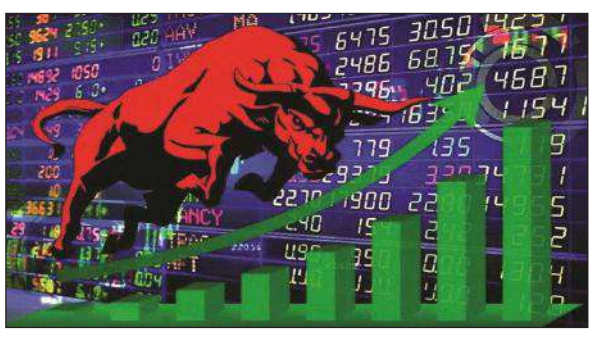

जियो 10,000 करोड़ जुटाएगी

नई दिल्ली। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड अपने पहले बॉन्ड इश्यू के लिए मर्चेंट बैंकरों के साथ शुरुआती बातचीत कर रही है। कंपनी इश्यू के जरिए 5,000 करोड़ रुपए से 10,000 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इस बात की जानकारी चार बैंकरों ने सोमवार को रॉयटर्स को दी है। बैंकरों ने कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज से अलग होकर बनी जियो फाइनेंशियल अपनी क्रेडिट रेटिंग और अन्य आवश्यक अप्रूवल्स प्राप्त करने की प्रोसेस में है।

लोन लेने के लिए ITR बनवाएं मात्र 500/- में
ITR GST
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
G.S.T. रिटर्न | Food Licence
इंकम TAX फाईल | M.S.M.E. रजिस्ट्रेशन
TDS रिफंड | प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस | डिजिटल सिगनेचर
शेखर गुप्ता
ONLYTDS.COM
9300755544
8878655544

भारतीयों के लिए वीजा-फ्री एंट्री शुरु कर सकता है वियतनाम

नई दिल्ली। श्रीलंका और थाईलैंड के बाद वियतनाम भी भारत के ट्रैवलर्स के लिए वीजा फ्री एंट्री शुरू कर सकता है। अभी जर्मनी, फ्रांस, इटली, स्पेन, डेनमार्क, स्वीडन और फिनलैंड जैसे देशों के नागरिक बिना वीजा के वियतनाम में प्रवेश कर सकते हैं। लोकल न्यूज एजेंसी वीएनएक्सप्रेस के अनुसार, वियतनाम के संस्कृति, खेल और पर्यटन मंत्री गुयेन वान हंग ने पर्यटन में सुधार लाने के लिए चीन और भारत जैसे प्रमुख बाजारों के लिए शॉर्ट टर्म वीजा वेवर देने को कहा है। टूरिज्म इंडस्ट्री को बूस्ट देने के लिए ऐसा किया जा रहा है। अगस्त के मध्य से, वियतनाम ने सभी देशों के लोगों के लिए ई-वीजा जारी करना शुरू किया है। इस साल के पहले दस महीनों में, वियतनाम में लगभग 1 करोड़ इंटरनेशनल विजिटर आए, जो 2022 की इसी अवधि की तुलना में 4.6 गुना ज्यादा है। वियतनाम के फु क्वोक आइलैंड, न्हा ट्रांग, दा नांग, हा लॉन्ग बे और होई एन जैसे डेस्टिनेशन भारतीय पर्यटकों के बीच पॉपुलर हैं। भारत से वियतनाम के लिए वियतजेट अपनी फ्लाइट ऑपरेट करता है। 14-15 हजार रुपए में राउंड ट्रिप टिकट मिल जाता है।

शुरुआती कारोबार में ही 17% उछला ऑटो शेयर

नई दिल्ली। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में टैलब्रोस ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स लिमिटेड के शेयरों में 17.20% की जबरदस्त उछाल देखने को मिली। इसके अलावा स्टॉक ने बीएसई पर 279.95 रुपये प्रति शेयर का ताजा 52-सप्ताह का उच्च स्तर छुआ है। शेयर वॉल्यूम में 4.60 गुना से अधिक की उछाल भी देखने को मिली है। कंपनी का वर्तमान बाजार पूंजीकरण 1,687.03 करोड़ रुपये है। टैलब्रोस ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स लिमिटेड ने विभिन्न व्यावसायिक डिवीजनों, प्रोडक्ट सेगमेंट्स और जॉइंट वेंचर्स में फैले घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों ग्राहकों से कुल लगभग 580 करोड़ रुपये के पर्याप्त मल्टीईयर ऑर्डर हासिल किए हैं। इन ऑर्डर्स को FY25 से अगले 5 साल में पूरा किया जाएगा। इसमें कंपनी की प्रोडक्ट लाइन्स की एक डायवर्स रेंज है, जिसमें गास्केट, हीट शील्ड, फोर्जिंग, चेसिस और रबर होसेस शामिल हैं। इन ऑर्डर्स में से एक प्रमुख निर्यात ओईएम से एक महत्वपूर्ण कॉन्ट्रैक्ट है, जो इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) में विशेषज्ञता रखता है। अगले 5 वर्षों में लगभग 270 करोड़ रुपये की वेल्यू वाला इस ऑर्डर में ईडीएस ब्रैकेट, ट्रांस्क्रेडल ब्रैकेट, मिड-मेटल शील्ड, एस 3 पैक और बैटरी स्टैम्पिंग जैसे प्रोडक्ट्स शामिल हैं। यह कोलैब मारेली टैलब्रोस चेसिस सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के जॉइंट वेंचर के जरिए है। यह स्टॉक सिर्फ 6 महीनों में 165% से अधिक बढ़ा है।

जयंत इंफ्राटेक लिमिटेड
(Formerly Known asJayant Infratech Private Limited)
CIN: U35202CT2003PLC015940
Registered Office: Mangal Smriti Bajpai Ground, Tilak Nagar Bilaspur-495001
E-mail:info@jayantinfra.com, Contact No.:+91 7773015688
Website:www.jayantinfra.com

पोस्टल बैलेट की सूचना

कंपनी अधिनियम, 2013, (अधिनियम) की धारा 108 के साथ पठित धारा 110 और अन्य लागू प्रावधानों, यदि कोई हो, के अनुसार एतद्वारा नोटिस दिया जाता है (किसी भी वैधानिक संशोधन या उसके पुनः अधिनियमित होने सहित), कंपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियम, 2014, ('नियम') के नियम 20 और 22 के साथ पढ़ें, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 ('सेबी लिस्टिंग विनियम') के लागू नियम) और द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया ('एसएस 2') द्वारा जारी किए गए सामान्य बैठकों पर सचिवीय मानक, प्रत्येक के रूप में संशोधित, साधारण प्रस्तावों को पारित करके, जैसा कि लागू होता है, डाक के माध्यम से यहां निर्धारित विशेष व्यवसाय को लेन-देन करने के लिए मतपत्र / इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग।
धारा 102 और धारा 110 और अधिनियम के अन्य लागू प्रावधानों के अनुसार, भौतिक तथ्यों को निर्धारित करने वाले उक्त प्रस्तावों से संबंधित विवरण और उसके कारण / तर्क इस पोस्टल बैलट नोटिस ('नोटिस') में आपके विचार और प्रपत्रों के लिए संलग्न हैं। जो इस नोटिस का हिस्सा है।
जयंत इंफ्राटेक लिमिटेड (कंपनी) यह नोटिस इलेक्ट्रॉनिक रूप में उन सदस्यों को भेज रही है, जिनके ई-मेल पते कंपनी / रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट ('आरटीए')/ डिपॉजिटरी के पास पंजीकृत हैं और नोटिस की भौतिक प्रति पोस्टल बैलेट फॉर्म और प्री-पेड स्व-पते वाला बिजनेस रिप्लाई लिफाफा उन सदस्यों को भेजा जा रहा है जिनके ई-मेल पते कंपनी/आरटीए / डिपॉजिटरी के साथ पंजीकृत नही हैं। सदस्यों की सहमति या असहमति का संचार रिमोट ई-वोटिंग प्रणाली के साथ-साथ भौतिक मतपत्र के माध्यम से होगा। मतदान करने की प्रक्रिया का विवरण इस नोटिस के 'नोट्स' का हिस्सा है।
कंपनी ने अपने सदस्यों को रिमोट ई वोटिंग सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से बिग शेयर सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड('बिग शेयर') की सेवाएं भी ली हैं, जिससे मेबर्स को रिमोट ई- वोटिंग के निर्देश इस नोटिस के साथ संलग्न हैं।
कंपनी के निदेशक मंडल ने मेसर्स रोहतश अग्रवाल एंड कंपनी के श्री रोहताश कुमार अग्रवाल (म.न.- 55371) प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरी को संवीक्षक के रूप में डाक मतपत्र और ई- वोटिंग प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संचालित करने के लिए उनकी भागीदार नियुक्त की। सदस्यों के पास पोस्टल बैलेट या ई वोटिंग के माध्यम से मतदान करने का विकल्प है। पोस्टल बैलेट द्वारा अपने वोट का प्रयोग करने के इच्छुक सदस्यों से अनुरोध है कि वे पोस्टल बैलेट फॉर्म में छपे निर्देशों को ध्यान से पढ़ें और इसे विधिवत पूरा करके संलग्न प्रीपेड स्व-पता लिखे बिजनेस रिप्लाई लिफाफ़े में वापस करें। पोस्टल बैलेट फॉर्म, यदि सदस्य (सदस्यों) के खर्च पर कूरियर या पंजीकृत डाक या स्पीड पोस्ट द्वारा भेजा जाता है, तो भी स्वीकार किया जाएगा। विधिवत भरे हुए पोस्टल बैलेट फॉर्म विचार किए जाने के योग्य होने के लिए गुरुवार, दिसंबर 21, 2023 (शाम 05:00 बजे) तक जांचकर्ता के पास पहुंच जाने चाहिए, असफल होने पर यह सख्ती से माना जाएगा कि सदस्य से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।
कंपनी द्वारा व्यवस्थित सुविधाओं के अनुसार ई वोटिंग का विकल्प चुनने के इच्छुक सदस्यों से अनुरोध है कि वे 'नोट्स' में दिए गए निर्देशों को पढ़ें। इस पोस्टल बैलेट नोटिस में डाक मतपत्रों के सन्दर्भ में इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्राप्त वोट शामिल हैं। डाक मतपत्रों (ई-वोटिंग सहित) की जांच पूरी होने के बाद संवीक्षक अपनी रिपोर्ट कंपनी के अध्यक्ष या उनके द्वारा विधिवत अधिकृत किसी अन्य व्यक्ति को प्रस्तुत करेगा। परिणाम शुक्रवार, दिसंबर 22, 2023 को या उससे पहले घोषित किए जाएंगे और स्टॉक एक्सचेंज, डिपॉजिटरी और आरटीए को सूचित कियाजाएगा। परिणाम कंपनी की वेबसाइट www.jayantinfra.com पर भी प्रदर्शित किए जाएंगे।
रिमोट इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से मतदान के संबंध में किसी भी प्रश्न/ शिकायत को कृपया सुश्री सृष्टि रमानी, कंपनी सचिव और अनुपालन अधिकारी, जयंत इंफ्राटेक लिमिटेड को 'मंगल स्मृति', बाजपेयी ग्राउंड, तिलक नगर बिलासपुर- 495001 या ई मेल आईडी: info@jayantinfra.com या +917773015688 पर कंपनी के RTA को info@bigshareonline.com पर संबोधित किया जा सकता है। ''यदि शेयर धारकों /निवेशकों को ई-वोटिंग से संबंधित कोई प्रश्न हों, तो आप यहाँ https://ivote.bigshareonline.com पर उपलब्ध अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न ('एफएक्यूएस') और i-Vote ई-वोटिंग मॉड्यूल से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकत हैं, जो डाउनलोड सेक्शन में हैं, या ईमेल कर सकते हैं ivote@bigshareonline.com या कॉल कर सकते हैं: 1800 22 54 22''

स्थान : बिलासपुर
दिनांक : 20.11.2023

कृते, जयंत इंफ्राटेक लिमिटेड
एसडी /- नीलेश जोबनपुत्रा, मैनेजिंग डायरेक्टर,
डी.आई.एन : 00188698

चुनावों से पहले गरीबों को जमकर अनाज बांटेगी सरकार

लोकस्वर मीडिया नेटवर्क
lokswar.in

नई दिल्ली। सरकार को एक बार फिर चावल के काफी अधिक भंडार की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। चालू खरीफ मार्केटिंग सेशन के दौरान भारी धान खरीद और खुले बाजार में एफसीआई स्टॉक से काफी कम बिक्री के चलते ऐसा हो सकता है। अनुमानों के अनुसार एजेंसी को चालू खरीद सीजन के आखिर तक बफर रिक्वायरमेंट के दोगुने से ज्यादा धान मिल सकता है। अधिकारियों ने कहा कि बढ़ते स्टॉक को संभालने के लिए सरकार को अनाज ऑफलोड करने के लिए कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि अगले साल के चुनाव में सरकार को गरीबों के लिए अधिक खाद्यान्न आवंटित करने का मौका मिल सकता है। टीओआई के अनुसार जून में केंद्र द्वारा राज्यों को एफसीआई से अपने स्वयं के कार्यक्रमों के लिए चावल खरीदने की अनुमति देने की नीति को समाप्त करने के फैसले ने अतिरिक्त चावल की बिक्री को प्रभावित किया है। इसके अलावा, अनाज-आधारित इथेनॉल संयंत्रों को चावल की बिक्री रोक देने से भी ऑफलोडिंग कम हुई है। जुलाई में चावल की ई-नीलामी शुरू हुई थी। एफसीआई ने खुले बाजार में मुश्किल से एक लाख टन चावल बेचा है। इससे अगले मार्च तक थोक खरीदारों को 25 लाख टन चावल बेचने के लक्ष्य को पाना बहुत मुश्किल हो गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, चालू खरीद सीजन में एफसीआई और राज्य सरकार की एजेंसियों ने अब तक लगभग 170 लाख टन चावल की खरीद की है जो पिछले महीने शुरू हुई थी। अधिकारियों ने कहा कि उन्हें 500 लाख टन से अधिक की खरीद का भरोसा है, क्योंकि कुछ राज्यों जैसे ओडिशा और झारखंड में खरीद अभी शुरू नहीं हुई है। वर्तमान में, एफसीआई के पास 194 लाख टन चावल है, जो 1 जनवरी के लिए 76 लाख टन की बफर आवश्यकता से अधिक है। इस स्टॉक में वह 230 टन चावल शामिल नहीं है जो मिलों से प्राप्त होना बाकी है। इसके अलावा, अगले रबी विपणन सत्र में सरकार को चावल की खरीद लगभग 50-60 लाख टन होने की उम्मीद है।

जरूरत से दोगुना स्टॉक

अधिकारियों ने कहा कि एफसीआई के पास 1 अक्टूबर को भी चावल का शुरुआती स्टॉक 221 लाख टन था और यह आवश्यक बफर स्टॉक से दोगुना से अधिक था। उन्होंने कहा कि चालू सीजन में खरीद की अच्छी गति स्टॉक को और आगे बढ़ाएगी। सरकारी अनुमानों के अनुसार, केंद्र को मुफ्त राशन योजना, प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को पूरा करने के लिए सालाना लगभग 400 लाख टन चावल की आवश्यकता होती है, जिसके तहत लगभग 81 करोड़ लोगों को हर महीने पांच किलो अनाज मिलता है।